तुलनात्मक राजनीति

(i) स्वरूप एवं उपागम
(ii) राजनीतिक अर्थ और राज्य समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य
(iii) तुलनात्मक प्रक्रिया की सीमाएं

* स्वरूप एवं उपागम *

तुलनात्मक राजनीति से तात्पर्य है विश्व के अलग-2 देशों की राजनीतिक व्यवस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन करना। इसमें विभिन्न देशों के संविधान और इससे सम्बन्धित संस्थाओं के बीच समानता और अन्तर का अध्ययन किया जाता है।

वर्तमान समय में तुलनात्मक राजनीति का क्षेत्र काफी व्यापक हो गया है और इसके अन्तर्गत विभिन्न देशों की राजनीतिक संस्थ के साथ-2 राजनीतिक प्रक्रिया, राजनीतिक संस्कृति और राजनीतिक विकास का अध्य किया जाता है।

तुलनात्मक राजनीति की शुरुआत अरस्त की रचनाओं में देखा जा सकता है। अरस ने 158 संविधानों का अध्ययन किया था। आधुनिक युग में मैकियावेली ने तुलनात्म अध्ययन पद्धति को अपनाया।